Edition : 9
Date : 20 Nov. 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
मार्गशीर्ष कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

बाल दिवस

पंडित जवाहर लाल नेहरू

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय द्वारा बाल दिवस पर कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बालक/ बालिकाओं को खेलों के माध्यम से शारीरिक/ मानसिक रूप से उनका विकास कैसे हो इस को ध्यान में रखते हुए बाल दिवस पर बालक बालिकाओं को दौड़, एक टांग की दौड़, चम्मच दौड, म्यूजिकल चेयर एवं केरम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया। बच्चों को चाचा नेहरू के बारे में बताया गया तथा बच्चों ने भी चाचा नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला। वह बच्चों से किस प्रकार प्रेम रखा करते थे चाचा नेहरू के जीवन के बारे में बताते हुए बच्चों ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए। इस प्रकार कार्यक्रम को बड़े ही सुंदर तरीके से मनाया गया।

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

व्यक्ति विशेष

ठाकुर सुजान सिंह

7 मार्च 1679 ई. की बात है, ठाकुर सुजान सिंह अपनी शादी की बारात लेकर लौट रहे थे, 22 वर्ष के सुजान सिंह किसी देवता की तरह लग रहे थे, ऐसा लग रहा था मानो देवता अपनी बारात लेकर जा रहे हों।
उन्होंने अपने दुल्हन का मुख भी नहीं देखा था, संध्या हो चुकी थी अतः रात्रि विश्राम के लिए "छापोली" में पड़ाव डाल दिये। कुछ ही क्षणों में उन्हें गायों में लगे घुंघरुओं की आवाजें सुनाई देने लगी, आवाजें स्पष्ट नहीं थीं, फिर भी वे सुनने का प्रयास कर रहे थे, मानो वो आवाजें उनसे कुछ कह रही थीं।
सुजान सिंह ने अपने लोगों से कहा, शायद ये चरवाहों की आवाज है जरा सुनो वे क्या कहना चाहते हैं। गुप्तचरों ने सूचना दी कि युवराज यह लोग कह रहे है कि कोई फौज "देवड़े" पर आई है। वे चौंक पड़े। कैसी फौज, किसकी फौज, किस मंदिर पर आयी है ? जवाब आया "युवराज ये औरंगजेब की बहुत ही विशाल सेना है, जिसका सेनापति दराबखान है, जो खंडेला के बाहर पड़ाव डाल रखी है। कल खंडेला स्थित श्रीकृष्ण मंदिर को तोड़ दिया जाएगा। निर्णय हो चुका था...!!

एक ही पल में सब कुछ बदल गया। शादी के खुशनुमा चहरे अचानक सख्त हो चुके थे, कोमल शरीर वज्र के समान कठोर हो चुका था। जो बाराती थे, वे सेना में तब्दील हो चुके थे, वे अपने सेना के लोगों से विचार विमर्श करने लगे। तब उनको पता चला कि उनके साथ सिर्फ 70 सेना थी। तब वे रात्रि के समय में बिना एक पल गंवाए उन्होंने पास के गांव से कुछ आदमी इकठ्ठे कर लिए। करीब 500 घुड़सवार अब उनके पास हो चुके थे।
अचानक उन्हें अपनी पत्नी की याद आयी, जिसका मुख भी वे नहीं देख पाए डोली में बैठी हुई थी। क्या बीतेगी उस पर, जिसने अपनी लाल जोड़े भी ठीक से नहीं देखी हो।
वे तरह तरह के विचारों में खोए हुए थे, तभी उनके कानों में अपनी माँ को दिए वचन याद आये, जिसमें उन्होंने राजपूती धर्म को ना छोड़ने का वचन दिया था, उनकी पत्नी भी सारी बातों को समझ चुकी थी, डोली के तरफ उनकी नजर गयी, उनकी पत्नी मेंहदी वालों हाथों को निकालकर इशारा कर रही थी। मुख पर प्रसन्नता के भाव थे, वो एक सच्ची क्षत्राणी के कर्तब्य निभा रही थी, मानो वो खुद तलवार लेकर दुश्मन पे टूट पड़ना चाहती थी, परंतु ऐसा नहीं हो सकता था। सुजान सिंह ने डोली के पास जाकर डोली को और अपनी पत्नी को प्रणाम किये और कहारों और नाई की डोली सुरक्षित अपने राज्य भेज देने का आदेश दे दिया और खुद खंडेला को घेरकर उसकी चौकसी करने लगे।
लोग कहते हैं कि मानो खुद कृष्ण उस मंदिर की चौकसी कर रहे थे, उनका मुखड़ा भी श्रीकृष्ण की ही तरह चमक रहा था। 8 मार्च 1679 को दराबखान की सेना आमने सामने आ चुकी थी, महाकाल भक्त सुजान सिंह ने अपने इष्टदेव को याद किये और हर हर महादेव के जयघोष के साथ 10 हजार की मुगल सेना के साथ सुजान सिंह के 500 लोगो के बीच घनघोर युद्ध आरम्भ हो गया।
सुजान सिंह ने दराबखान को मारने के लिए उसकी ओर लपके और 40 मुगल सेना को मौत के घाट उतार दिए। ऐसे पराक्रम को देखकर दराबखान पीछे हटने में ही भलाई समझी, लेकिन ठाकुर सुजान सिंह रुकनेवाले नहीं थे। जो भी उनके सामने आ रहा था वो मारा जा रहा था। सुजान सिंह साक्षात मृत्यु का रूप धारण करके युद्ध कर रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो खुद महाकाल ही युद्ध कर रहे हों। इस बीच कुछ लोगों की नजर सुजान सिंह पर पड़ी, लेकिन ये क्या सुजान सिंह के शरीर में सिर तो है ही नहीं.....
लोगों को घोर आश्चर्य हुआ, लेकिन उनके अपने लोगों को ये समझते देर नहीं लगी कि सुजान सिंह तो कब के मोक्ष को प्राप्त कर चुके हैं। यह जो युद्ध कर रहे हैं, वे सुजान सिंह के इष्टदेव हैं। सबों ने मन ही मन अपना शीश झुककर इष्टदेव को प्रणाम किये।
अब दराबखान मारा जा चुका था, मुगल सेना भाग रही थी, लेकिन ये क्या, सुजान सिंह घोड़े पे सवार बिना सिर के ही मुगलों का संहार कर रहे थे। उस युद्धभूमि में मृत्यु का ऐसा तांडव हुआ, जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुगलों की 7 हजार सेना अकेले सुजान सिंह के हाथों मारी जा चुकी थी। जब मुगल की बची खुची सेना पूर्ण रूप से भाग गई, तब सुजान सिंह जो सिर्फ शरीर मात्र थे, मंदिर का रुख किये ।
इतिहासकार कहते हैं कि देखनेवालों को सुजान के शरीर से दिव्य प्रकाश का तेज निकल रहा था, एक अजीब विस्मित करनेवाला प्रकाश निकल रहा था, जिसमें सूर्य की रोशनी भी मन्द पड़ रही थी।
ये देखकर उनके अपने लोग भी घबरा गए थे और सब एक साथ श्रीकृष्ण की स्तुति करने लगे, घोड़े से नीचे उतरने के बाद सुजान सिंह का शरीर मंदिर के प्रतिमा के सामने जाकर लुढ़क गया और एक शूरवीर योद्धा का अंत हो गया।
माँ भारती के इस शूरवीर योद्धा को कोटि-कोटि नमन

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Birthday Celebration

विद्यालय परिसर में मनाए जाने वाले भूतपूर्व छात्रों के जन्मदिन के अंतर्गत आज दिनांक 15 .11.2021 को पूर्व छात्र श्री नीरज नाटाणी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।
उक्त कार्यक्रम में पूर्व छात्र श्री नीरज नाटाणी अपने पूरे परिवार सहित विद्यालय में पधारे तथा विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य श्री कुशल पाल सिंह जी ने श्री नाटाणी जी को माला पहनाकर स्मृतिचिन्ह देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

Edition : 9
Date : 20 Nov. 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
मार्गशीर्ष कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्थान विशेष

मानगढ़

मानगढ़- जहाँ सहस्रों ने प्राण देकर रखा भारत माता का मान। राजस्थान में बांसवाड़ा जिले में एक पहाड़ी क्षेत्र है- मानगढ़।17 नवम्बर, 1913 को यह स्थान अपूर्व बलिदान का साक्षी बना। मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमाओं से लगती यह भूमि महाराणा प्रताप के स्वाभिमानी भील जनजाती का निवास है। गोविंद गुरु ने इनमें जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक बड़ा सामाजिक एवं आध्यात्मिक आंदोलन प्रारंभ किया।

गोविन्द गुरु 20 दिसम्बर, 1858 को डूंगरपुर जिले के बांसिया गांव में गवारिया जाति के एक परिवार में जन्मे थे। बालपन से ही उन्होंने अपना जीवन देश, धर्म तथा समाज की सेवा में लगा दिया। यह क्षेत्र, जो 'वागड़' के नाम से जाना जाता है, उनकी मुख्य कर्मस्थली बना।

1903 में गोविंद गुरु द्वारा स्थापित 'सम्प सभा' का उद्देश्य वनवासियों को शिक्षित करना तथा बुराइयों से उन्हें दूर करना था। गोविंद गुरु ने वनवासियों को परिश्रम, सादा जीवन, प्रतिदिन स्नान, यज्ञ व कीर्तन, बच्चों को विद्यालयी शिक्षा की प्रेरणा दी। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों से कहा कि वे अपने विवाद अपनी पंचायत में सुलझाएँ, न कि अंग्रेजी न्यायालय के चक्कर में पड़कर सबकुछ लुटा दें। वे अन्याय न सहें, अंग्रेजी सत्ता का लगान न दें, बेगार न करें, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करें तथा स्वदेशी को अपनाएँ। उनकी इस शिक्षा से प्रभावित होकर लाखों लोग उनके भक्त बन गये। प्रतिवर्ष मार्गशीर्ष पूर्णिमा को सभा का वार्षिक मेला होता था, जिसमें बड़े स्तर पर हवन कर नारियल व घी की आहुति दी जाती थी। परंपरागत वस्त्रों व शस्त्रों से सुसज्जित वनवासियों के इस मेले में सामाजिक तथा राजनीतिक समस्याओं की चर्चा भी होती थी जिससे यहाँ ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध वातावरण तैयार हो गया।

17 नवम्बर, 1913, मार्गशीर्ष पूर्णिमा को मानगढ़ की पहाड़ी पर वार्षिक मेले के लिए भीड़ जुटी। इससे पूर्व ही गोविंद गुरु ने शासन को पत्र द्वारा अकाल पीड़ित वनवासियों का लगान घटाने, धार्मिक परंपराओं का पालन करने देने व बेगार न करवाने का आग्रह किया था। प्रशासन पहले ही इस पूरे आंदोलन से चिढ़ा हुआ था। पत्र की मांगें मानने की बजाय अंग्रेज प्रशासन ने पहाड़ी को घेरकर मशीनगन और तोपें लगा दीं। उस समय तक सहस्रों जनजातीय भक्त मानगढ़ पहाड़ी पर उपस्थित थे। अचानक अंग्रेज अधिकारी कर्नल शटन के आदेश पर पुलिस गोलियाँ बरसाने लगी। बचने का कोई प्रश्न ही नहीं था। करीब 1,500 से 2,000 निर्दोषों की घृणित हत्या हुई। पुलिस ने गोविंद गुरु को गिरफ्तार कर पहले फांसी और फिर आजीवन कारावास की सजा दी। 1923 में जेल से मुक्त होकर वे भील सेवा सदन, झालोद के माध्यम से सेवा कार्य करते रहे। 30 अक्तूबर, 1931 को ग्राम कम्बोई (गुजरात) में उनका देहांत हुआ।

इस नृशंस घटना से भयभीत होने की बजाय समस्त राजस्थान बलिदान व देशप्रेम की भावना से भर गया। वनवासी बंधु रुके नहीं। वे लगातार अंग्रेजों का प्रतिकार करते रहे।

आज भी सहस्रों हुतात्माओं के बलिदान की स्मृति में प्रतिवर्ष मार्गशीर्ष पूर्णिमा को गोविंद गुरु की समाधि पर मेला भरता है और लाखों लोग आकर मानगढ़ के वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

भारत की नदियॉ :– चार धाम।

By - Prashant Mourya (Class – 6)

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ धाम भारत का सबसे प्राचीन तीर्थ क्षेत्र है।

- इसकी प्रतिष्ठा सतयुग में नारायण ने, त्रेता में भगवान दत्तात्रेय ने और द्वापर में वेदव्यास ने और कलियुग में आदिशंकराचार्य जी ने बढाई।
- बद्रीनाथ का मन्दिर नारायण पर्वत की तलहटी में अलखनंदा के दायें किनारे पर स्थित है।
- चन्द्रवंशी गढवाल नरेश ने मन्दिर को विशाल स्वरूप दिया।
- सर्दी के दिनों में बद्रीनाथ की चल प्रतिमा लाकर जोषीमठ में स्थापित की जाती है और यहीं पर इसकी पूजा - अर्चना होती है।

रामेश्वरम्

- तमिलनाडु राज्य के रामनाथपुरम् जिले में रामेश्वरम् नामक एक विशाल द्वीप पर यह पवित्र स्थल स्थापित है।
- इसकी स्थापना श्री राम जी ने की थी अतः इसका नाम रामेश्वर पड़ा।
- यह द्वादष ज्योर्तिलिंगों में से एक है।
- इसके आस - पास अनेक मन्दिर है जैसे लक्ष्मणेश्वर शिव, पंचमुखी हनुमान, श्रीराम जानकी आदि मन्दिर।
- यहां 22 पवित्र कूप है जिनके जल से तीर्थ यात्री स्नान करके स्वयं को धन्य मानते है।

दिवस, त्यौहार, जयंती

25 नवम्बर	पर्यावरण संरक्षण दिवस	07 दिसम्बर	झंडा दिवस
26 नवम्बर	संविधान दिवस	08 दिसम्बर	गुरु तेज बहादुरपुण्य दिवस, श्रीराम जानकी विवाह
27 नवम्बर	श्री कालभैरव जयंती	10 दिसम्बर	नरसी मेहता जयंती, मानवाधिकार दिवस
01 दिसम्बर	विश्व एड्स दिवस	12 दिसम्बर	श्री हरि जयंती
03 दिसम्बर	डॉ राजेंद्र प्रसाद जयंती	15 दिसम्बर	सरदार बल्लभ भाई पटेल पुण्य दिवस
04 दिसम्बर	विश्व विकलांग दिवस, देव पितृकार्य अमावस्या	23 दिसम्बर	किसान दिवस
06 दिसम्बर	डॉ अम्बेडकर पुण्य दिवस		

PHRC

PILES HOSPITAL & RESEARCH CENTER

DR. DINESH SHAH
M.S, FAIS, FIAGES, FACRSI,
FISCP, FACS (USA)

DR. ANSUL SHAH
M.B.B.S, MS

The best super specialty ano-rectal surgery hospital in North India.
This is 1 km inside from main Sikar Road.
7 km from Railway Station and Central Bus Stand.

+91-141-2334959 drdineshshah@pilesclinic.com

- G-24, Unnati Tower,Central Spine Vidyadhar Nagar, Jaipur

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Editor's Panel

Dr Dinesh Shah
Colorectal Surgeon
Piles Hospital & Research Centre
Jaipur
(Secretary, Shree Khandelwal Vaishya Central Sr Sec School Management Committee)

Mr. Kushal Pal Singh
Principal
Shree Khandelwal Vaishya
Central Sr Sec School Jaipur

Varsha Gupta
PGT Economics
Experience 15 years

Dr. Rakesh Gupta
Professor & Dean, Student Welfare
Poornima University Jaipur

Kailash Prasad Gupta
Additional Chief Block Education Officer
Samagra Shiksha Mahwa,
Dausa Rajasthan

Peeyush Shah
Software Engineer
Super Eminent Softwares
Jaipur

प्रश्नोत्तरी

1. कपास मॉस के नाम से निम्नलिखित में किसे जाना जाता है ?
अ. रिक्सिया ब. स्फैगमन
स. मारकैन्शिया द. फर्न

2. निम्नलिखित वर्गों में से किसमें जंतुओं की संख्या सबसे अधिक होती है ?
अ. मैमेल्स ब. रेप्टीलिया
स. इनसेक्टा द. पाइसेज

3. अण्डे देने वाले स्तनधारी निम्न में से कौन है ?
अ. प्लैटिपस ब. मनुष्य
स. बाघ द. ब्लूह्वेल

4. निम्नलिखित में से कौन एम्फ़िवियन जंतु है ?
अ. मेढक ब. बगुला
स. मछली द. घोडा

5. निम्नलिखित में कौन एम्फिवियन वनस्पति है ?
अ. रिक्सिया ब. आम
स. साइकस द. फर्न

6. विटामिन शब्द का उपयोग सर्वप्रथम किस वैज्ञानिक ने किया ?
अ. फुंक ब. ल्यूवेन्हॉक
स. अल्टामान द. सी. बेण्डा

7. निम्न में से कौन-सा विटामिन वसा में घुलनशील नहीं है ?
अ. A ब. B
स. C द. D

8. दूध में उपस्थित शर्करा है ?
अ. ग्लूकोस ब. माल्टोस
स. लैक्टोस द. फ्रक्टोस

9. पेलैग्रा किसकी कमी के कारण होता है ?
अ . थायमिन ब. एस्कॉर्बिक अम्ल
स. नियासिन द. कैल्सीफेरॉल

10. हाथीपांव बीमारी निम्न में से किसके द्वारा जनित है ?
अ . जीवाणु ब. हेल्मिन्थ
स. प्रोटोजोआ द. विषाणु

Edition 8 के प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. स	2. ब	3. ब	4. ब	5. स
6. अ	7.स	8. अ	9. अ	10.अ

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

20 नवम्बर — **पुण्यतिथि**

डनन सीख
मिलखा सिंह

21 नवम्बर — **बलिदानदिवस**

देशभक्त कांतिकारी
सत्येन्द्रनाथ बोस

21 नवम्बर — **निर्वाणदिवस**

नोबेल पुरस्कार विजेता
डॉ, सी, वी, रामन

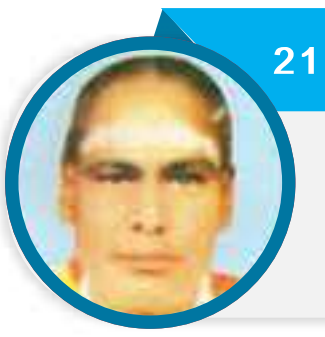

21 नवम्बर — **पुण्यतिथि**

वनांचल के ज्योतिपुज
गहिरा गुरू

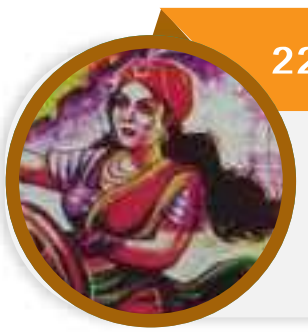

22 नवम्बर — **जन्मदिवस**

वीरांगना
झलकारी बाई

22 नवम्बर — **जन्मदिवस**

स्वातंत्रयसैनिक
दादासाहेब पोतनीस

22 नवम्बर — **बलिदानदिवस**

प्रखर युवा नेत्री
ज्योतिर्मयी गांगुली

23 नवम्बर — **निर्वाणदिवस**

नोबल पारितोषिक विजेता
भारतीय वनस्पतिशास्त्री
जगदीशचंद्र बोस

24 नवम्बर — **बलिदानदिवस**

नौवे सिख गुरू
प. पू. गुरू तेगबहादुर

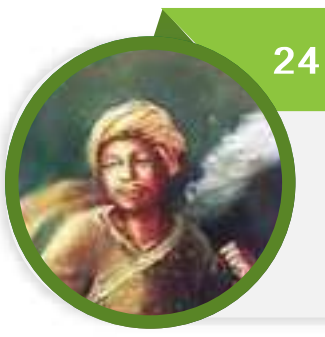

24 नवम्बर — **जन्मदिवस**

वीर योद्धा
लाचित बोडफुकन

24 नवम्बर — **पुण्यतिथि**

केरल में धर्मरक्षक
स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

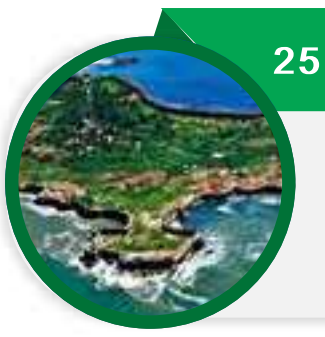

25 नवम्बर — **निर्वाणदिवस**

प्राचीन वास्तुकला का
उत्कृष्ट उदहारण सिंधुदुर्ग

25 नवम्बर — **बलिदानदिवस**

परमवीर चक
मेजर रामास्वामी परमेश्वरन

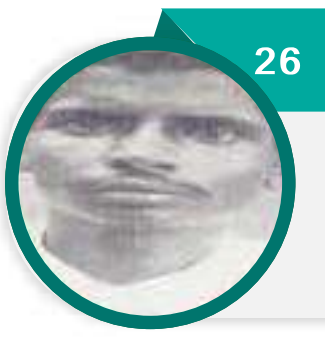

26 अक्टूबर — **बलिदानदिवस**

कांतिवीर
अशोक नन्दी

26 नवम्बर — **जन्मदिवस**

श्वेतकांति के प्रणेता
वर्गिस कुरियन

26 नवम्बर — **जन्मदिवस**

महान गोभक्त
लाला हरदेवसहाय

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

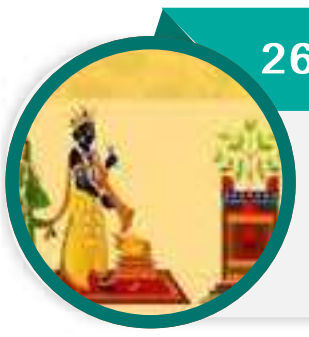

26 नवम्बर | **विवाहदिवस**

तुलसी विवाह

26 नवम्बर | **संविधानदिवस**

संविधान दिवस

27 नवम्बर | **पुण्यतिथि**

राष्ट्र सेविका समिति की
संस्थापिकापरम पूजनीय
लक्ष्मीबाई केलकर

28 नवम्बर | **निर्वाणदिवस**

समाजसुधारक
महात्मा ज्योतिबा फुले

28 नवम्बर | **जन्मदिवस**

क्रांतिकारी
भाई हिरदाराम

28 नवम्बर | **निर्वाणदिवस**

सशस्त्र क्रांतिकारी
सेनापति बापट

29 नवम्बर | **जन्मदिवस**

प्रखर समाजसेवक
ठक्कर बापा

30 नवम्बर | **जन्मदिवस**

नोबल पारितोषिक विजेता
भारतीय वनस्पतिशास्त्री
जगदशचन्द्र बोस

30 नवम्बर | **निर्वाणदिवस**

समाजिक कार्यकर्ता
राजीव दीक्षित

30 नवम्बर | **जन्मदिवस**

प. पू. गुरू नानक जयंती

1 दिसम्बर | **स्थापनादिवस**

भारतीय सीमा सुरक्षा दल

1 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

स्वधर्मरक्षक
तालोम रूक्बो

1 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री, पत्रकार
और स्वतंत्रता संग्रामसेनानी
काका कालेलकर

1 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

बाल उपवन के सुमन
द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

1 दिसम्बर | **निर्वाणदिवस**

स्वातंत्रयसेनानी व समाजसुधारक
दादा धर्माधिकारी

1 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

देशानुरागी
राजा महेन्द्र प्रताप सिंह

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

02 दिसम्बर | **पुण्यतिथि**

मातृभक्त गुरूदास बेनर्जी

02 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

भारत के प्रथम फायटर
पयलट इन्द्रलाल रॉय

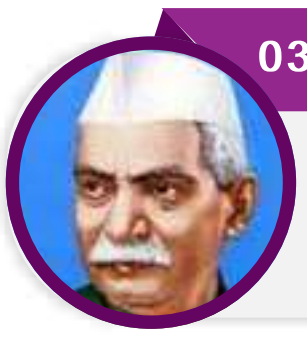

03 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

भारत के प्रथम राष्ट्रपति
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

03 दिसम्बर | **निर्वाणदिवस**

होकी के जादूगर
मेजर ध्यानचंद

03 दिसम्बर | **बलिदानदिवस**

परमवीरचक्र विजेता
लांस नायक बल्बर्ट एक्का

03 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

अमर क्रांतिकारी
खुदीराम बोस

04 दिसम्बर | **ओपरेशनदिवस**

भारतीय सेना का
ओपरेशन ट्राईडेंट

04 दिसम्बर | **सेनादिवस**

भारतीय नौ–सेना दिवस

05 दिसम्बर | **निर्वाणदिवस**

योगी अरविन्द घोष

05 दिसम्बर | **बलिदानदिवस**

परमवीरचक्र विजेता
केप्टन गुरूबचनसिंह सालारिया

06 दिसम्बर | **ध्वंशदिवस**

बाबरी ध्वंश

06 दिसम्बर | **निर्वाणदिवस**

डॉ. भीमराव रामजी
आंबेडकर

07 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

महान संत
प्रमुख स्वामी महाराज

07 दिसम्बर | **निर्वाणदिवस**

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य
स्वामी शांतानंद सरस्वती

08 दिसम्बर | **जन्मदिवस**

बालाजी बाजीराव उर्फ
नानासाहेब पेशवा

08 दिसम्बर | **पुण्यतिथि**

संघ प्रचारक
भास्करराव दामलेजी

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

08 दिसम्बर — **हमलादिवस**

भारतीय सेना का ओपरेशन
पायथन अंतर्गत कराची
पे हमला

09 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

कवि एवं स्वातंत्रयसैनिक
लक्ष्मीकांत महापात्र

10 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

स्वतंत्रतासेनानी
चक्रवर्ती राजगोपालचारी

10 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

भारतीय इतिहासकार
यदुनाथ सरकार

10 दिसम्बर — **बलिदानदिवस**

सोनाखान के हुतात्मा
वीर नारायण सिंह

10 दिसम्बर — **अधिकारदिवस**

मानव अधिकार दिवस

11 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के
तीसरे सरसंघचालक
मधुकर दत्तात्रेय देवरस

11 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

तमिल साहित्य के महान कवि
और स्वातंत्रय सैनिक
सुब्रम्हन्यम भारती

12 दिसम्बर — **बलिदानदिवस**

स्वातंत्रय सैनिक
थोगन संगमा

12 दिसम्बर — **बलिदानदिवस**

महान सेनानी
जनरल जोरावर सिंह

12 दिसम्बर — **बलिदानदिवस**

बाबू गेनू

12 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

हिन्दू महासभा के संस्थापक
डॉ. बालकृष्ण शिवराम मुंजे

12 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

गुजराती लेखक
गौरीशंकर गोवर्धनराम जोशी

12 दिसम्बर — **निर्वाणदिवस**

हिंदी राष्ट्रकवि
मैथिलीशरण गुप्त

13 दिसम्बर — **पुण्यतिथि**

कैलास पीठाधीश्वर
स्वामी विद्यानन्द गिरि

13 दिसम्बर — **जन्मदिवस**

देश समर्पित नेता
मनोहर पर्रीकर

Edition : 9
Date : 20 Nov. 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
मार्गशीर्ष कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

14 दिसम्बर — बलिदानदिवस

वीर बालिका
शान्ति घोष व सुनीति चौधरी

14 दिसम्बर — जन्मदिवस

श्रेष्ठ नाटककार
उपेन्द्रनाथ अश्क

14 दिसम्बर — बलिदानदिवस

परमवीर चक्र विजेता
फलाइंग ऑफिसर
निर्मलजीत सिंह सेखों

15 दिसम्बर — निर्वाणदिवस

सरदार वल्लभभाई पटेल

16 दिसम्बर — बलिदानदिवस

परमवीर चक्र विजेता
सेकंड लेफटीनंट अरूण खेत्रपाल

16 दिसम्बर — जन्मदिवस

इतिहास पुरूष
बापुराव बरहाडपांडे

16 दिसम्बर — विजयदिवस

1971 के युद्ध में
भारत का विजय

17 दिसम्बर — बलिदानदिवस

कांतिकारी
राजेन्द्रनाथ लाहिडी

17 दिसम्बर — बलिदानदिवस

पराक्रमी सेनापति
चिमाजी अप्पा

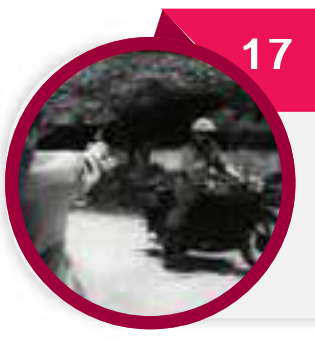

17 दिसम्बर — बलिदानदिवस

जेम्स सोंडर्स का वध

17 दिसम्बर — निर्वाणदिवस

स्वातंत्रय सैनिक
पट्टाभि सीतारमैया

17 दिसम्बर — जन्मदिवस

देशभक्त
लालमोहन घोष

18 दिसम्बर — जन्मदिवस

अमर भोजपुरी नाटककार

19 दिसम्बर — बलिदानदिवस

कांतकारी
रामप्रसाद बिस्मिल

19 दिसम्बर — बलिदानदिवस

कांतकारी
अशफाकउल्ला खान

19 दिसम्बर — बलिदानदिवस

कांतकारी
रोशन सिंग

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

COLLAGE

SHIVAM GUPTA
Class VII

PAWAN SAINI
Class VII

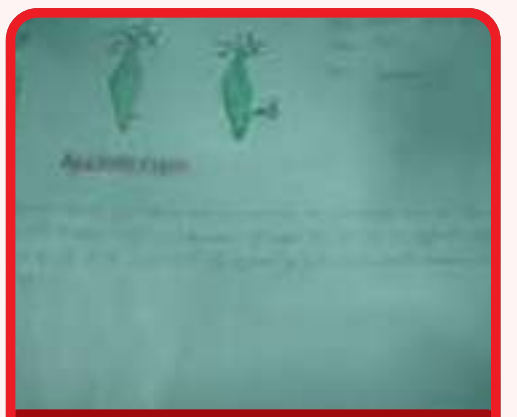

CHANDNI MANDAL
Class VII

SACHIN NAWARIYA
Class VIII

Story Time

Chahat
Class xii

"The thirsty crow"

It was a hot summer's day.A thirsty crow flew all over the fields looking for water. For a long time, he could not find any. He felt very weak, almost lost all hope. Suddenly, he saw a water jug below the tree. He flew straight down to see if there was any water inside. Yes, he could see some water inside the jug!

The crow tried to push his head into the jug. Sadly, he found that the neck of the jug was too narrow. Then he tried to push the jug to tilt for the water to flow out, but the jug was too heavy.

The crow thought hard for a while. Then, looking around it, he saw some pebbles. He suddenly had a good idea. He started picking up the pebbles one by one, dropping each into the jug. As more and more pebbles filled the jug, the water level kept rising. Soon it was high enough for the crow to drink. His plan had worked!

Moral: Think and work hard, you may find solution to any problem.

Jokes & Poem Corner

साइंस टीचर: क्लास में सो
रहे हो क्या ?
राजू: नही टीचर गुरूत्वाकर्षण से
सर नीच गिर रहा है।

और बेटा
पढाई कैसें चल रही है?
बस अंकल
चलते चलते बहुत दुर चली गई मुझसे !

अभिषेक गुर्जर (कक्षा 7)

शिक्षा
पढ़ना -लिखना सबको भाय,
जीवन बगिया यह महकाय.
अक्षर ज्ञान बड़ा अनमोल,
जगह -जगह तुम पीटो ढोल.
निरक्षर का न ठौर ठिकाना,
सहता वह तो, कष्ट नाना.
शिक्षा तो है अद्भुत होती,
लौ इसकी है तम भगाती.

STUDENT'S BIRTHDAY

S.N	STUDENT NAME	DOB
1	AVANI JOSHI	26-11-2015
2	MOHAMMAD FARHAN	02-12-2014
3	AYAN	03-12-2009
4	DIPANSHU RAW	04-12-2011
5	MOHAMMED NABEEL	05-12-2013
6	SARA	05-12-2013
7	MUKRAM	07-12-2010
8	KULSUM BANO	12-12-2012
9	REHAN KHAN	12-12-2012
10	BHABESH JANGID	12-12-2009

Edition : 9
Date : 20 Nov. 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
मार्गशीर्ष कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Alumni's Birthday & Anniversary

Ram Dadhich

Business plywood, hardware & interior solution.

17 December 1976

9829755542

Ajay Kumar Sharma

(Ex Student Representative)
Building Construction Works,

22 December 1966

9414068635

Ashish Jhalani

D-16 November 1977

M-04 December 1998

Sanjay Taluka

CA

29 November 1976

9314140080

Vinod Kumar Mann

30 November 1976

9414322241

Dr. MANOJ AGARWAL

15 December 1975

9829039098

Ashish choudhary

Office:-
Gopal ji ka rasta,johari bazar jaipur

13 November 1979

9414046602

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

http://khandelwalschool.com

SHRI KHANDELWAL VAISHYA
CENTRAL SENIOR SEC. SCHOOL

Ganga Mata Mandir Station Road, Jaipur.

HINDI & ENGLISH MEDIUM

Blessings from lordess Saraswati to enlighten the future of the students

0141-2361488

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

http://khandelwalschool.com

SHRI KHANDELWAL VAISHYA
CENTRAL SENIOR SEC. SCHOOL

Ganga Mata Mandir Station Road, Jaipur.

HINDI & ENGLISH MEDIUM

Let's open the gate way to knowledge

Let the generation explore the world

0141-2361488

info@khandelwalschool.com

Edition : 9 | Date : 20 Nov. 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | मार्गशीर्ष कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

http://khandelwalschool.com

SHRI KHANDELWAL VAISHYA
CENTRAL SENIOR SEC. SCHOOL

Ganga Mata Mandir Station Road, Jaipur.

HINDI & ENGLISH MEDIUM

Rising horizons to touch the apex of glory

Come on children!!!
You can do it!!!

0141-2361488

info@khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

http://khandelwalschool.com

SHRI KHANDELWAL VAISHYA
CENTRAL SENIOR SEC. SCHOOL

Ganga Mata Mandir Station Road, Jaipur.

HINDI & ENGLISH MEDIUM

Let's walk ahead to achieve new milestones

All the children will walk to conquer the unconquered

0141-2361488

info@khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

http://khandelwalschool.com

SHRI KHANDELWAL VAISHYA
CENTRAL SENIOR SEC. SCHOOL

Ganga Mata Mandir Station Road, Jaipur.

HINDI & ENGLISH MEDIUM

Come on!! New beginning New room
New classes New Benches All new!!!!

0141-2361488

info@khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

http://khandelwalschool.com

SHRI KHANDELWAL VAISHYA
CENTRAL SENIOR SEC. SCHOOL

Ganga Mata Mandir Station Road, Jaipur.

HINDI & ENGLISH MEDIUM

Go green
A real feast for
the eyes

Amazing
garden for kids

0141-2361488

info@khandelwalschool.com